हिन्दी साहित्य

परास्नातक

एम0ए0 पाठ्यक्रम

हिन्दी साहित्य

एम0ए0 हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम (सेमेस्टर एवं क्रेडिट पद्धति) के अन्तर्गत कुल 17 प्रश्नपत्र 100–100 अंको के निर्धारित किए गये हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 4 क्रेडिट निर्धारित है। अतः 68 क्रेडिट में पाठ्यक्रम का निर्धारण किया गया है। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 45 व्याख्यान निर्धारित किए गये हैं। एम0ए0 उत्तरार्द्ध में 100 अंको की (पंचम प्रश्नपत्र के रूप में) मौखिकी होगी जिसके लिए चार क्रेडिट निर्धारित है।

हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर :

		क्रेडिट
प्रथम प्रश्नपत्र **HNM-101**	छायावादी काव्य	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **HNM-102**	निबंध एवं नाटक	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **HNM-103**	भाषा विज्ञान	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **HNM-104**	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास	4

द्वितीय सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र **HNM-201**	छायावादोत्तर काव्य	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **HNM-202**	कथा साहित्य	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **HNM-203**	समीक्षा साहित्य	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **HNM-204**	हिन्दी साहित्य एवं विविध विमर्श	4

तृतीय सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र **HNM-301**	प्राचीन काव्य	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **HNM-302**	सगुण भक्ति काव्य	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **HNM-303**	भारतीय काव्यशास्त्र	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **HNM-304**	आधुनिक भारतीय साहित्य	4

चतुर्थ सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र **HNM-401**	रीतिकालीन काव्य	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **HNM-402**	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **HNM-403**	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **HNM-404**	विशेष प्रश्नपत्र–जगद्गुरू रामभद्राचार्य जी महाराज	4
पंचम प्रश्न पत्र **HNM-405**	मौखिकी	4

परास्नातक पाठ्यक्रम–हिन्दी (2016–17 से)
एम0ए0 पूर्वार्द्ध
प्रथम प्रश्न पत्र (छायावादी काव्य)
HNM -101

प्रथम सेमेस्टर– व्याख्यान–45 **क्रेडिट–4**

समय– 2½ घण्टा **पूर्णांक–100**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 जयशंकर प्रसाद–कामायनी– श्रद्धा सर्ग और आंसू (प्रारम्भिक दस छन्द)।

इकाई–2 निराला, 'राम की शक्तिपूजा' और 'सरोज स्मृति'।

इकाई–3 सुमित्रानन्दन पंत– परिवर्त्तन, ताज।

इकाई–4 महादेवी वर्मा – (दीपशिखा) पंथ होने दो अपरिचित, 1. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ 2. मैं नीर भरी दुःख की बदली। 3. धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ वसन्त–रजनी। 4. यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो। 5. पिक, हौले, हौले बोल। 6. पंथ होने दो अपरिचित। 7. रे पपीहे पी कहाँ? 8. क्या जलने की रीति शलभ। 9. प्रिय पथ के यह शूल। 10. चुभते ही तेरा अरुण बान।

इकाई–5 समीक्षात्मक अध्ययन।

सन्दर्भित ग्रन्थः

1. जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे बाजपेयी।
2. कामायनीः एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध।
3. निराला की साहित्य साधना (तीन खण्ड़) – डॉ रामविलास शर्मा।
4. निराला – नन्ददुलारे बाजपेयी।
5. सुमित्रानन्दन पंत – डॉ0 नगेन्द्र।
6. महाकवि पंत – शान्तिप्रिय द्विवेदी।
7. महादेवी – डॉ0 जगदीश गुप्त।
8. छायावाद – डॉ0 नामवर सिंह।
9. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचन्द्र शाह।
10. महाप्राण निराला – गंगा प्रसाद पाण्डेय।
11. छायावाद का पतन – डॉ0 देवराज।
12. पंत का जीवन और साहित्य – शान्ति जोशी।
13. प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेमशंकर।

एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
द्वितीय प्रश्न पत्र (निबन्ध–नाटक)
HNM -102 क्रेडिट–3

प्रथम सेमेस्टर– व्याख्यान–45 **क्रेडिट–4**

समय– 2½ घण्टा **पूर्णांक–100**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 चिन्तामणि भाग– एक (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) कविता क्या है, लोक मंगल की साधनावस्था।

इकाई–2 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी– भारतीय संस्कृति की देन, कुटज।
इकाई–3 आधे अधूरे – मोहन राकेश।
इकाई–4 अन्धा युग – धर्मवीर भारती।
इकाई–5 समीक्षात्मक अध्ययन।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी।
2. हिन्दी गद्य का उद्भव–विकास – डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
3. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – डॉ0 रामविलास शर्मा।
4. रामचन्द्र शुक्ल – मलयज।
5. शिवालिक से शान्ति निकेतन – डॉ0 शिव प्रसाद सिंह।
6. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास – डॉ0 दशरथ ओझा।
7. हिन्दी नाटक – डॉ0 बच्चन सिंह।
8. हिन्दी नाटक–साहित्य का इतिहास – डॉ0 सोमनाथ गुप्त।
9. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी।
10. हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ0 नर्वदेश्वर राय।

एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
तृतीय प्रश्न पत्र (भाषा विज्ञान)
HNM -103

प्रथम सेमेस्टर –व्याख्यान–45 **क्रेडिट–4**

समय– 2½ घण्टा **पूर्णांक–100**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति के कारण, विशेषताएं, कारण एवं दिशाएं, भाषा विज्ञान– परिभाषा, अंग, प्रमुख अध्ययन पद्धतियां, शाखाएं।
इकाई–2 स्वन विज्ञान– परिभाषा, स्वन भेद, स्वन परिवर्तन के कारण।
इकाई–3 पद विज्ञान, शब्द और रूप, शब्द तत्व और रूप तत्व, सम्बन्ध तत्व और अर्थ तत्व, वाक्य विज्ञान, वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार, परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।
इकाई–4 अर्थ विज्ञान, अर्थ की अवधारणा, और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन।
इकाई–5 साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगो की उपयोगिता।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा।
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलनाथ तिवारी।
3. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ0 बाबूराम सक्सेना।
4. भारत की भाषा समस्या – डॉ0 रामविलास शर्मा।
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – डॉ0 उदयनारायण तिवारी।
6. हिन्दी भाषा और लिपि के आधुनिक विमर्श – डॉ0 शशिकला पाण्डेय।
7. भाषा विज्ञान और हिन्दी के सरोकार – डॉ0 शशिकला पाण्डेय।

एम0ए0 पूर्वाद्ध (हिन्दी)
चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास)
HNM -104

प्रथम सेमेस्टर– व्याख्यान–45 **क्रेडिट–4**

समय– 2½घण्टा **पूर्णांक– 100**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 आदिकालीन साहित्यिक धाराएं–सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य, आदिकालीन प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं।

इकाई–2 अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली।

इकाई–3 भक्ति आन्दोलन, भक्तिकालीन काव्य धाराएं और उनके प्रतिनिधि कवि।

इकाई–4 रीतिकाव्य की परम्परा, रीतिकाल की धारायें और उसके प्रतिनिधि कवि।

इकाई–5 रीतिकाल की प्रवृत्तियां, रीतिकाव्य की विशेषताएँ।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक डॉ0 नगेन्द्र।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव–विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
6. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग दो) – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी।
8. हिन्दी साहित्य की समस्याएं – डॉ0 रघुवंश।
9. साहित्य का इतिहास – डॉ0 नलिन विलोचन शर्मा।
10. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा – डॉ0 राजकुमार उपाध्याय 'मणि'।
11. हिन्दी साहित्य का अलोचनात्मक इतिहास – डॉ0 रामकुमार वर्मा
12. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास – डॉ0 सभापति मिश्र।

एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
प्रथम प्रश्न पत्र (छायावदोत्तर काव्य)
HNM -201

द्वितीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 अज्ञेय – असाध्यवीणा (आँगन के पार द्वार)।

इकाई–2 नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान।

इकाई–3 केदारनाथ अग्रवाल – माझी न बजाओ वंशी मेरा मन डोलता।

इकाई–4 धूमिल – किस्सा जनतंत्र, मोचीराम, प्रजातन्त्र के विरूद्ध।

इकाई–5 द्रुत पाठ – मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, त्रिलोचन शास्त्री।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी।
2. समकालीन हिन्दी कविता – डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
3. समकालीन हिन्दी कविता का यथार्थ – श्री परमानन्द श्रीवास्तव।
4. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – श्री नन्द किशोर नवल।
5. संसद से सड़क तक – श्री सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।
6. नयी कविता और अस्तित्ववाद – डॉ0 रामविलास शर्मा।
7. समकालीन हिन्दी कविता – डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
8. समकालीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ – डॉ0 रामकली सर्राफ।
9. अज्ञेय और नयी कविता – डॉ0 चन्द्रकला त्रिपाठी।

एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
द्वितीय प्रश्न पत्र (कथा साहित्य)
HNM -202

द्वितीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1	**उपन्यास :**		
	गोदान	–	मुंशी प्रेमचन्द।
इकाई–2	गुनाहों का देवता	–	धर्मवीर भारती।
इकाई–3	उसने कहा था	–	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
	कफन	–	मुंशी प्रेमचन्द।
इकाई–4	आकाशदीप	–	जयशंकर प्रसाद।
	रोज	–	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'।
इकाई–5	द्रुत पाठ	–	कमलेश्वर, मैत्रेयीपुष्पा, राजी सेठ।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग – डॉ0 रामविलास शर्मा।
2. प्रेमचन्द एक विवेचना – इन्द्रनाथ मदान।
3. उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी – डॉ0 त्रिभुवन सिंह।
4. हिन्दी उपन्यास – शिव नारायण श्रीवास्तव।
5. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश।
6. आज की हिन्दी कहानी – डॉ0 विजय मोहन सिंह।
7. हिन्दी कहानी– संवेदना और शिल्प – डॉ0 शशिकला पाण्डेय।
8. कलम का सिपाही – डॉ0 अमृत राय।
9. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान – डॉ0 कमलकिशोर गोयनका।

एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
तृतीय प्रश्न पत्र (समीक्षा शास्त्र)
HNM -203

द्वितीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–100**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 भारतीय आलोचना की परम्परा, आलोचना का अर्थ और परिभाषा।

इकाई–2 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना पद्धति, छायावादी समीक्षा और नन्द दुलारे बाजपेयी।

इकाई–3 प्रगति और प्रयोगवादी आलोचना, समकालीन आलोचना।

इकाई–4 स्वच्छन्दतावाद, नई समीक्षा।

इकाई–5 क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषणवाद।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. संस्कृत आलोचना – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
2. हिन्दी आलोचना – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
3. हिन्दी आलोचना के बीज–शब्द – डॉ0 बच्चन सिंह।
4. हिन्दी आलोचना का इतिहास – डॉ0 रामदरश मिश्र।
5. हिन्दी आलोचना और रामचन्द्र शुक्ल – डॉ0 रामविलास शर्मा।
6. हिन्दी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी।
7. काव्यशास्त्र – डॉ0 भागीरथ मिश्र।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ0 भागीरथ मिश्र।
9. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र : सिद्धान्त और परिदृश्य – डॉ0 नगेन्द्र।
10. नई समीक्षा के प्रतिमान – डॉ0 निर्मला जैन।
11. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – डॉ0 निर्मला जैन।
12. आलोचक और आलोचना – डॉ0 बच्चन सिंह।
13. आलोचना के बीज–शब्द – डॉ0 बच्चन सिंह।
14. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – डॉ0 मैनेजर पाण्डेय।
15. साहित्य का नयाशास्त्र – डॉ0 गिरिजा राय।
16. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिन्तन – डॉ0 सभापति मिश्र।

एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिन्दी)
चतुर्थ प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य एवं विविध विमर्श
HNM -204

द्वितीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 स्त्री विमर्श, श्रृंखला की कड़ियां– महादेवी वर्मा, गुड़िया भीतर गुड़िया– मैत्रेयी पुष्पा।

इकाई–2 बाल विमर्श।

इकाई–3 विकलांग विमर्श।

इकाई–4 दलित विमर्श की अवधारणा।

इकाई–5 आदिवासी विमर्श।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. स्त्रीवादी विमर्श	–समाज और साहित्य	– क्षमा शर्मा।
	–स्त्री संधर्ष का इतिहास	– राधा कुमार
2. बाल विमर्श	–बाल साहित्य 21वीं सदी में	– जय प्रकाश भारतीय
	–भारतीय बाल साहित्य एक विवेचन	– सं0 मनोहर वर्मा
3. दलित विमर्श	–समानान्तर दृष्टि की राह	– डॉ0 रवीन्द्र कुमार पाठक
	–उत्तर सदी के हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	– श्योराज सिंह बेचैन
4. विकलांग विमर्श	–विकलांग श्रद्वा का दौर	– हरि शंकर परसाई

एम0ए0उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
प्रथम प्रश्न पत्र (प्राचीन काव्य)
HNM -301

तृतीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 चन्दवरदायी–पृथ्वीराज रासो, पद्मावती समय (निर्धारित 20 छन्द)

इकाई–2 विद्यापति – (प्रारम्भिक 10 पद) डॉ0 त्रिभुवननाथ शुक्ल सं0, – 1. चाँद सार लए, 2. सुधामुखि के बिहि, 3. सहजहिं आनन सुन्दर रे, 4. अवनत आनन कए हम, 5. साँझ के बेरि उगल नव ससधर, 6. लोचन धाए के धारल, 7. सजनी कानुक कहबि बुझाई, 8. चानन भेल विषम सर रे, 9. माधव देखलि वियोगिनि वामें, 10. माधव कत परवोधव राधा।

इकाई–3 कबीर – 160–209 दोहे साखी से, सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी।

इकाई–4 जायसी– नागमती वियोगवर्णन, जायसी ग्रन्थावली सं0– सं आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

इकाई–5 द्रुतपाठ– सरहपाद, दादू, मलूकदास, रैदास।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. कबीर साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन	– डॉ0 आर्या प्रसाद त्रिपाठी।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा	– डॉ0 नामवर सिंह
4. कबीर	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
5. विद्यापति– पदावली	– डॉ0 त्रिभुवन नाथ शुक्ल।
6. जायसी ग्रन्थावली	– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
7. विद्यापति	– डॉ0 शिव प्रसाद सिंह।
8. सूफीमत : साधना और साहित्य	– डॉ0 रामपूजन तिवारी।
9. हिन्दी काव्य का निर्गुण धारा में भक्ति	– डॉ0 श्यामसुन्दर शुक्ल।
10. सन्त साहित्य	– डॉ0 राधेश्याम दुबे।
11. सन्त साहित्य की पारिभाषिक शब्दावली	– डॉ0 शशिकला पाण्डेय।
12. सन्त साहित्य की समझ	– डॉ0 नन्दकिशोर पाण्डेय।

एम0ए0उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
द्वितीय प्रश्न पत्र (सगुण भक्ति काव्य)
HNM -302

तृतीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 सूरदास – भ्रमरगीत (सं0) आचार्य रामचन्द शुक्ल (21 से 31 पद)

इकाई–2 तुलसीदास – श्रीरामचरितमानस (उत्तरकाण्ड – 89 से 100 दोहे)।

इकाई–3 मीराबाई – (10 पद) 1. म्हारा री गिरिधर गोपाल, 2. भज मन चरन कमल अभिलाषी, 3. जाणा मण जमणा के तीर, 4. आली याणे लागा वृंदावन नीका, 5. मै तो गिरिधर के रंगराती, 6. मन रे परसि हरि के चरण, 7. हेरी मैं तो प्रेम दीवाणी, 8. बसो मेरे नैनन में नन्दलाल, 9. पद घुंघरू बांधि मीरा नाची रे।

इकाई–4 समीक्षात्मक अध्ययन।

इकाई–5 द्रुतपाठ, रहीम रसखान, नन्ददास, चतुर्भुज दास।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. महाकवि सूरदास – आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी।
3. सूर साहित्य – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
5. मानस दर्शन – श्रीकृष्ण लाल।
6. तुलसीदास और उनका युग – डॉ0 राजपति दीक्षित।
7. भक्तिकाव्य की भूमिका – डॉ0 प्रेमशंकर।
8. लोकवादी तुलसीदास – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
9. भक्तिकाव्य में भारतीय रहस्यवाद – प्रो0 राधेश्याम दुबे।
10. मीराबाई – श्रीकृष्ण लाल।
11. मीरा का काव्य – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
12. सूरदास और उनकी सूर सारावली – डॉ0 राजकुमार उपाध्याय 'मणि'।
13. तुलसी दर्शन मीमांसा – डॉ0 उदयभानु सिंह।
14. तुलसीदास – डॉ0 माता प्रसाद गुप्त।
15. तुलसी का काव्य वैभव – डॉ0 सभापति मिश्र।

एम0ए0 उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
तृतीय प्रश्न पत्र (भारतीय काव्यशास्त्र)
HNM -303

तृतीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1
1. काव्यशास्त्रीय परम्परा
2. काव्य के लक्षण

इकाई–2
1. काव्य के प्रयोजन
2. काव्य के हेतु

इकाई–3
1. रस का स्वरूप
2. रस और साधारणीकरण

इकाई–4
1. सहृदय की अवधारणा
2. रस निष्पत्ति

इकाई–5 1. काव्य की आत्मा
2. भारतीय काव्य संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय, रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे।
2. रस मीमांसा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
3. संस्कृत आलोचना – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
4. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – डॉ0 सभापति मिश्र।
5. रस सिद्धान्त – डॉ0 नगेन्द्र।
6. काव्यशास्त्र – डॉ0 भागीरथ मिश्र।
7. रस प्रक्रिया – शंकर देव।
8. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र।
9. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
10. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त – डॉ0 भोलाशंकर व्यास।
11. हिन्दी आलोचना का इतिहास – डॉ0 रामदरस मिश्र।
12. परम्परा का मूल्यांकन – डॉ0 राविलास शर्मा।
13. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – डॉ0 रामविलास शर्मा।
14. हिन्दी आलोचना – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
15. हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी।

एम0ए0उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
चतुर्थ प्रश्न पत्र (आधुनिक भारतीय साहित्य)
HNM -304

तृतीय सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं।

इकाई–2 भारतीय साहित्य और स्वतंत्रता आन्दोलन, भारतीय साहित्य में वर्तमान भारत की झलक।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय भावना।

इकाई–4 बंगला साहित्य रवीन्द्र नाथ टैगोर की 10 कविताएं, रवीन्द्र रचना संचयन– साहित्य अकादमी से अकादमी। कविता क्रमांक : 1, 3, 4, 6, 10, 14, 21, 22, 23, 27

इकाई–5 समीक्षात्मक अध्ययन।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेन्द्र।
2. भारतीय साहित्य – डॉ0 भोला शंकर व्यास।
3. भारतीय साहित्य की भूमिका – डॉ0 रामविलास शर्मा।
4. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर।
5. आधुनिक भारतीय चिन्तन – विश्वनाथ।
6. आधुनिक भारतीय साहित्य – डॉ0 नन्द किशोर पाण्डेय।
7. मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
8. बंगला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन।

एम0ए0 उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
प्रथम प्रश्न पत्र (रीतिकालीन काव्य)
HNM -401

चतुर्थ सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 केशवदास – रामचन्द्रिका (बालकाण्ड के प्रारम्भिक 10 छन्द)

इकाई–2 बिहारी– बिहारी–रत्नाकर (निर्धारित 10 दोहे आरम्भिक) 300, 301, 321, 340, 347, 357, 363, 373, 390, 397।

इकाई–3 घनानन्द– घनानन्द कवित्त (निर्धारित 04 छन्द) 1. पूरन प्रेम को मंत्र महा, 2. झल के अति सुन्दर आनन, 3. आँखिन आनि, 4. हीन भये जल मीनि अधीन।

इकाई–4 समीक्षात्मक अध्ययन।

इकाई–5 द्रुतपाठ– भूषण, सेनापति, रत्नाकर।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. रामचन्द्रिका – केशवदास – सं0 लाला भगवानदीन।
2. बिहारी – रत्नाकर – सं0 जगन्नाथदास रत्नाकर।
3. बिहारी – सं0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
4. केशव का आचार्यत्व – डॉ0 विजयपाल सिंह।
5. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ0 बच्चन सिंह।
6. घनानन्द एवं स्वच्छन्द काव्यधारा – डॉ0 मनोहर लाल गौड़।
7. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र
8. रीतिकाव्य संग्रह – डॉ0 जगदीश गुप्त।
9. केशवदास – डॉ0 हीरालाल दीक्षित।
10. केशव की भाषा – डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी।
11. घनानन्द की काव्य साधना – डॉ0 सभापति मिश्र।

एम0ए0 उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
द्वितीय प्रश्न पत्र (पाश्चात्य काव्यशास्त्र)
HNM -402

चतुर्थ सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 प्लेटो, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त।

इकाई–2 वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

इकाई–3 कॉलरिज का कल्पना और फैंटसी, आई0ए0 रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त, काव्यभाषा का सिद्धान्त।

इकाई–4 टी0एस0 इलिएट– निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त
लोन्जाइनस का उदात्त सिद्धान्त

इकाई–5 पाश्चात्य काव्य प्रयोजन, पाश्चात्य काव्य हेतु।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ0 भगीरथ मिश्र।
2. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ0 नगेन्द्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा।
4. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र, सिद्धान्त और परिदृश्य – डॉ0 नगेन्द्र
5. नई समीक्षा के प्रतिमान – डॉ0 निर्मला जैन।
6. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – डॉ0 निर्मला जैन।
7. आलोचक और आलोचना – डॉ0 बच्चन सिंह
8. कविता के नये प्रतिमान – डॉ0 नामवर सिंह।
9. आलोचना के बीज शब्द – डॉ0 बच्चन सिंह।
10. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – डॉ0 मैनेजर पाण्डेय।
11. साहित्य का नयाशास्त्र – डॉ0 गिरिजा राय।
12. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य – चिन्तन – डॉ0 सभापति मिश्र

एम0ए0 उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
तृतीय प्रश्न पत्र (आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास)
HNM -403

चतुर्थ सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–50**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 भारतेन्दु युग की विशेषताएँ, भारतेन्दु और उनका मण्डल।

इकाई–2 द्विवेदी युग की प्रवृतियाँ , राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ।

इकाई–3 छायावाद के चतुःस्तम्भ और छायावादी प्रवृत्तियाँ।

इकाई–4 प्रगति, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कहानी।

इकाई–5 समकालीन कविता, प्रमुख गद्य विधाओं का स्वरूप।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह।
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य – श्रीकृष्ण लाल।
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
7. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह।
8. हिन्दी साहित्य की समस्याएँ – डॉ0 अवधेश प्रधान।
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ0 नामवर सिंह।

एम0ए0 उत्तरार्द्ध (हिन्दी) चतुर्थ
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विशेष प्रश्न पत्र– साहित्यकार)– जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी (महाराज)
HNM -404

चतुर्थ सेमेस्टर **क्रेडिट–4**

समय – 2½ घण्टा **पूर्णांक–100**

पाठ्यक्रम :

इकाई–1 अरून्धती महाकाव्य– नवम सर्ग– शक्ति।

इकाई–2 अष्टावक्र महाकाव्यसप्तम सर्ग–संकल्प।

इकाई–3 राघवगीत गुंजन– (आरम्भिक दस गीत)

इकाई–4 काका विदुर खण्डकाव्य (आरम्भिक दस छंद)

इकाई–5 समीक्षात्मक अध्ययन।

सन्दर्भित ग्रन्थ :

1 मेरी स्वर्णयात्रा – (जीवनी) तुलसीपीठ चित्रकूट(उ0प्र0)
2 अरून्धती महाकाव्य – (जीवनी) तुलसीपीठ चित्रकूट(उ0प्र0)
3 अष्टावक्र महाकाव्य – (जीवनी) तुलसीपीठ चित्रकूट(उ0प्र0)
4 राघवगीत गुंजन – (जीवनी) तुलसीपीठ चित्रकूट(उ0प्र0)
5 काका विदुर – (जीवनी) तुलसीपीठ चित्रकूट(उ0प्र0)
6 मां शबरी काव्य – (जीवनी) तुलसीपीठ चित्रकूट(उ0प्र0)